फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 225 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

People In Thailand Were Chewing Betel Nuts 4,000 Years Ago?

Scientists believe that they have found the earliest biochemical evidence of people chewing the popular psychoactive plant

She Was Class Apart

Europe Named After An African Princess!

केरल में कांग्रेस के वर्तमान 13 में से 9 सांसद विधानसभा टिकट मांग रहे हैं

सबसे ज्यादा मुखरित हैं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के सुधाकरण, जो, पीसीसी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं

- सुधाकरण ने धमकी भी दी है, कांग्रेस पार्टी से अगर उनको टिकट नहीं मिला तो वे पार्टी को काफी हानि भी पहुँचा सकते हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे व पार्टी के वरिष्ठ नेता ए.के. एन्टनी ने स्थिति संभाली और सुधाकरण का जोश ठंडा किया और इस बात पर राजी करवा लिया कि वे टिकट के लिए दबाव नहीं बनाएंगे।
- पर, कांग्रेस की दिक्कतें खत्म नहीं हो रहीं। टिकटार्थियों की खींचतान के कारण, पार्टी अभी भी, भारी प्रयासों के बावजूद, अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी नहीं कर पाई है और पहली लिस्ट में भी काफी नाम ऐसे हैं, जो पार्टी के सबसे मजबूत उम्मीदवार नहीं माने जा सकते, बल्कि काफी कमज़ोर उम्मीदवार हैं।
- केरल में नौ अप्रेल को चुनाव हैं, अतः, कांग्रेस के पास ज्यादा समय भी नहीं है, चुनाव से पहले अपना घर दुरुस्त करने के लिए।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। केरल कांग्रेस के भीतर बड़ा विवाद चल रहा था, जहां 13 में से 9 मौजूदा सांसद आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट की मांग कर रहे थे।

खास तौर पर वरिष्ठ नेता के. सुधाकरन, जो पीसीसी अध्यक्ष रह चुके हैं, अपनी मांग पर अड़े हुए थे। उन्होंने साफ कहा था कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला तो वे पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

यहां तक कि उन्होंने धमकी दी थी कि अगर उन्हें टिकट नहीं दिया गया तो वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

ज्ञातव्य है कि पार्टी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया जाएगा।

लेकिन पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और ए. के. एंटनी की पर्दे के पीछे की गई जोरदार समझाइश भरी बातचीत के बाद आखिरकार सुधाकरन मान गए। आज शाम वे केरल के लिए रवाना हो गए और कहा कि वे पार्टी के फैसले के साथ हैं और टिकट की मांग नहीं करेंगे।

फिलहाल यह संकट टल गया है, लेकिन पार्टी अभी तक उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी नहीं कर पाई है, क्योंकि अंदरूनी खींचतान बहुत ज्यादा है।

यह भी समझा जा रहा है कि पहली सूची में शामिल कई उम्मीदवार बहुत मजबूत नहीं हैं और उम्मीद के मुताबिक खरे नहीं उतरते, उन्हें कमजोर उम्मीदवार माना जा रहा है और ऐसा लगता है कि पार्टी उनसे बेहतर उम्मीदवार पेश कर सकती थी। इसकी वजह भी वही खींचतान और दबाव ही है।

केरल में चुनाव 9 अप्रैल को होने हैं और समय तेजी से भाग रहा है।

वाम मोर्चा नामांकन दाखिल करना और चुनाव प्रचार पहले ही शुरू कर चुका है।

वाम मोर्चा केरल में दो बार सत्ता में रह चुका है और अब वह एक बार फिर कांग्रेस को हराने की कोशिश में है।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में श्रीराम यंत्र स्थापित किया

- यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की दूसरी अयोध्या यात्रा है।

अयोध्या, 19 मार्च। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सनातन नव संवत्सर के अवसर पर श्रीराम यंत्र की स्थापना की। यह श्रीराम यंत्र जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल के गर्भगृह में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक आचार्यों ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर स्थापित कराया।

गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मु के अयोध्या पहुंचने पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए उन्हें 'नगर की चाबी' भेंट की। यह सम्मान अतिथि को नगर की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च प्रतीकात्मक सम्मान माना जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दूसरी बार अयोध्या पहुंची हैं।

राष्ट्रपति के स्वागत में एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक के पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला। सड़क के दोनों ओर करीब 20

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध अब एक पके-पकाये ''इकोनॉमिक वॉर'' में परिवर्तित हुआ

इज़रायल ने इराक की साउथ पार्स गैस फील्ड पर भारी बमबारी की तथा ईरान ने जवाबी हमले में कतर की गैस फील्ड पर बम बरसाये

- ईरान की साउथ पार्स व कतर की नॉर्थ डोम गैस फील्ड में दुनिया का सबसे बड़ा गैस भंडार है तथा इन गैस फील्ड्स से कामकाज बंद हो जाने से विश्व की ''इकॉनमी'' पर, ''बैंक गियर'' लग गया है। चीज़ों के दाम बढ़ रहे हैं, बेरोज़गारी अब द्रुत गति से बढ़ेगी। सभी प्रमुख रिज़र्व बैंक, जो ब्याज दर घटाने की सोच रहे थे, अब, ब्याज दर बढ़ाने की बात करने लगे हैं।
- हर बार की तरह, ट्रंप इस भीषण घटनाक्रम से घबराकर कह रहे हैं कि इज़रायल ने उनसे परामर्श किए बगैर, ईरान की गैस फील्ड पर भारी बमबारी करने का निर्णय लिया है। जबकि इज़रायल के सैन्य अधिकारी उल्टी बात कह रहे हैं कि ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर बमबारी का निर्णय, अमेरिका से राय मशविरा करके लिया गया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। पश्चिम एशिया का संकट अब एक वैश्विक आर्थिक चुनौती बन गया है। इज़रायल द्वारा साउथ पार्स गैस फील्ड पर किए गए ताजा हमले और इसके जवाब में ईरान द्वारा कतर के पास स्थित नॉर्थ डोम गैस फील्ड की गैस सुविधाओं पर हमलों के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। निस्संदेह, युद्ध तेज हो गया है और कम से कम अमेरिका के लिए इसे नियंत्रित करना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

ईरान का साउथ पार्स गैस फील्ड और कतर का नॉर्थ डोम गैस फील्ड एक ही भूभाग में साथ-साथ स्थित हैं। इन हमलों के कारण खरबों क्यूबिक फीट गैस भंडार वाले इन क्षेत्रों का संचालन बंद हो गया है। ये क्षेत्र दुनिया की प्राकृतिक गैस की जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करते थे।

भारत कतर के इन गैस क्षेत्रों में उत्पादित होने वाली प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख खरीदार रहा है। इन ताजा हमलों के कारण, भारत अपने सबसे भरोसेमंद गैस आपूर्ति स्रोत से वंचित हो जाएगा। हमलों और जवाबी हमलों के बाद वैश्विक तेल और गैस बाजारों में हलचल मच गई है। और ब्रैंट कच्चे तेल की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। आशंका है कि यदि स्थिति जल्द नहीं संभली तो आने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार ने अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है?

नबाडा, भागलपुर व कटिहार की आम सभाओं में नीतीश कुमार ने बार-बार भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बिहार का भावी मुख्यमंत्री बनाये जाने के संकेत दिए

- जैसा कि विदित ही है, नीतीश राज्यसभा सदस्य के रूप में दिल्ली जाने से पूर्व, बिहार के कई जिलों में एक विदाई यात्रा पर हैं।
- कई आम सभाओं में मंच पर, उनके साथ यात्रा में चल रहे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्होंने कहा, ''आगे सब ये ही देखेंगे।''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। बिहार में इन अटकलों के बीच, कि नीतीश कुमार के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता द्वारा बार-बार दोहराए जा रहे एक हाव-भाव ने हलचल पैदा कर दी है और इसे एक बड़ा संकेत माना जा रहा है।

नीतीश कुमार, जो रिकॉर्ड 10 बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, अब पद छोड़ने से पहले जिलों के दौरे पर हैं। इसके बाद वे राज्यसभा के लिए दिल्ली जाने वाले हैं। ''समृद्धि यात्रा'' को मुख्यमंत्री के रूप में कुमार द्वारा जिलों का आखिरी दौरा माना जा रहा है।

इस यात्रा में उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी उनके साथ हैं। इस दौरान कई जनसभाओं में नीतीश कुमार को सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखते हुए देखा गया। उन्होंने कई बार कहा, ''आगे सब यही देखेंगे।'' इस तरह का इशारा नवादा, भागलपुर और कटिहार जैसी कई जगहों पर दोहराया गया, जिससे बिहार की राजनीति में चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में हाव-भाव और इशारे काफी अहम माने जाते हैं। अनुभवी नेता आमतौर पर बिना तैयारी के बड़े ऐलान नहीं करते। पहले इशारे दिए जाते हैं, सार्वजनिक तौर पर संकेत किए जाते हैं, ताकि जमीन तैयार हो जाए और बदलाव को आसानी से स्वीकार किया जा सके। नीतीश कुमार द्वारा बार-बार सम्राट चौधरी का समर्थन करना, एनडीए गठबंधन के अंदर सत्ता के सुचारु हस्तांतरण के लिए एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

न्यायाधीश ने जेजेएम घोटाले की सुनवाई से स्वयं को अलग किया

- मामले में पूर्व आईएएस सहित अन्य ने एसीबी की एफआईआर को चुनौती दी है।

जयपुर, 19 मार्च। करोड़ों रुपए के जल जीवन मिशन को लेकर एसीबी में दर्ज एफआईआर को चुनौती देने से जुड़े मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने अपने आप को सुनवाई से अलग कर लिया है।

मामले में पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित, अन्य ने याचिका दायर कर एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है।

अमेरिका की इन्टैलिजेन्स चीफ ने ट्रंप के दावे को खारिज किया

ट्रंप ने गत दिनों में यह दावा किया कि ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम पुनः विकसित करने का प्रयास कर रहा है तथा शीघ्र ही ईरान के पास न्यूक्लियर बम बनाने की क्षमता पैदा हो जाएगी

- पर, अमेरिका की इन्टैलिजेन्स चीफ, तुलसी गबार्ड ने ट्रंप के इस दावे को मिथ्या वचन बताया।
- तुलसी गबार्ड के अनुसार, गत वर्ष अमेरिका की बमबारी ने ईरान की ''यूरेनियम एनरिचमैंट'' क्षमता को नेस्तनाबूत कर दिया था तथा तब से ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को पुनः विकसित करने की कतई कोशिश नहीं की है और वह बम बनाने से अभी बहुत दूर है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। अमेरिका की इंटैलिजैंस खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने ईरान की मौजूदा परमाणु क्षमता को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल जून में अमेरिकी हमलों में यूरेनियम संवर्धन क्षमता नष्ट होने के बाद तेहरान ने इसे फिर से बनाने की कोई कोशिश नहीं की है। गबार्ड ने सीनेट समिति से कहा, ''ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान का परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह खत्म हो गया था। उसके बाद से इसे दोबारा बनाने की कोई कोशिश नहीं हुई है।''

राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले कुछ महीनों में ईरान द्वारा अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने और हथियार बनाने की दिशा में लगातार काम करने के बारे में कई दावे किए हैं। फरवरी में ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा था कि ''ईरान शायद एक हफ्ते के भीतर औद्योगिक ग्रेड बम बनाने वाली सामग्री हासिल कर सकता है।''

अमेरिकी खुफिया समुदाय का आकलन है कि ईरान पहले ही अंतरिक्ष प्रक्षेपण और अन्य तकनीकों का प्रदर्शन कर चुका है, जिनका उपयोग करके वह 2035 से पहले सैन्य रुप से सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (इन्टरकॉन्टिनैंटल बैलिस्टिक मिसाइल) (आईसीबीएम) विकसित करना शुरु कर सकता है, बशर्ते तेहरान भविष्य में उस क्षमता को हासिल करने का प्रयास करे।

इसी दौरान गबार्ड ने एक चौंकाने वाली बात कहते हुए पाकिस्तान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरों में पाकिस्तान भी शामिल हो सकता है। सीनेट की इन्टैलिजैंस समिति के सामने गवाही देते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें आगे चलकर ऐसी आईसीबीएम बन सकती हैं, जो अमेरिका तक पहुंच सकें।

गबार्ड ने कहा, ''अमेरिकी खुफिया आकलन के अनुसार, पाकिस्तान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान के साथ नई और उन्नत मिसाइल प्रणालियों के विकास पर काम कर रहा है, जो परमाणु और पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड की स्टेनोग्राफर मेरिट लिस्ट रद्द की

- अदालत ने पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद परीक्षा में की गई गलतियों में 5 प्रतिशत छूट को गलत माना।

जयपुर, 19 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्टेनोग्राफर भर्ती-2024 में पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद, परीक्षा में की गई गलतियों में पांच फीसदी की अतिरिक्त छूट देने को गलत माना है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से गत 25 सितंबर को जारी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 21 अक्टूबर को जारी अंतिम मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया है। अदालत ने चयन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बत्तीस प्रतिशत राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ ''क्रिमिनल'' मुकदमे चल रहे हैं

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने, वर्तमान राज्यसभा सदस्यों द्वारा फाइल किए गए अपने ''बैकग्राउण्ड'' आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला है

- इसी रिपोर्ट में यह भी उजागर किया गया है कि वर्तमान राज्यसभा सदस्यों में चौदह प्रतिशत अरबपति हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, इन 32 प्रतिशत ''क्रिमिनल बैकग्राउण्ड'' के राज्यसभा सदस्यों में, 16 प्रतिशत सदस्यों के खिलाफ संगीन ''क्रिमिनल केस'' चल रहे हैं। एक सदस्य के खिलाफ तो हत्या का मामला चल रहा है तथा चार सदस्यों के खिलाफ हत्या का प्रयास (एटैम्प टू मर्डर) का आरोप लगा हुआ है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। देश की राजनीति में अपराध और धनबल का असर साफ दिखाई देता है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 32 प्रतिशत मौजूदा राज्यसभा सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 14 प्रतिशत सांसद अरबपति हैं।

राज्यसभा सांसदों द्वारा दिए गए शपथपत्रों के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट में देश की राजनीति में बढ़ती यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

एडीआर की यह रिपोर्ट 233 में से 229 राज्यसभा सांसदों के शपथपत्रों के विश्लेषण पर आधारित है। झारखंड की एक सीट फिलहाल खाली है, जबकि तीन सांसदों के शपथपत्र उपलब्ध नहीं थे। इस विश्लेषण में हाल ही में चुने गए 37 सदस्य भी शामिल हैं।

जिन 229 सांसदों की घोषणाओं का विश्लेषण किया गया है, उनमें से 73 (32 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। इनमें से 36 (16 प्रतिशत) सांसद गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। एक सांसद पर हत्या का मामला है, चार पर हत्या के प्रयास के मामले हैं, और तीन पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले दर्ज हैं।

पार्टी के अनुसार देखें तो भाजपा के 99 में से 27 सांसदों, कांग्रेस के 28 में से 12, तृणमूल कांग्रेस के 13 में से 4 और आम आदमी पार्टी के 10 में से 4 सांसदों ने आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। सीपीआई (एम) और बीआरएस के तीन-तीन सांसदों ने भी ऐसे ही मामलों का खुलासा किया है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 31 सांसद (14 प्रतिशत) के पास अरबों रुपये की संपत्ति है।

बड़ी पार्टियों में, भाजपा के 6, कांग्रेस के 5, वाईएसआरसीपी के 4, आम आदमी पार्टी के 2, बीआरएस के 2 और एनसीपी के 3 सांसदों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। एक राज्यसभा सांसद की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये है।

बड़ी पार्टियों के सांसदों की प्रति सांसद औसत संपत्ति इस प्रकार है, भाजपा: 28.29 करोड़ रुपये, कांग्रेस: 128.61 करोड़ रुपये, तृणमूल कांग्रेस: 17.70 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी: 574.09 करोड़ रुपये। अन्य पार्टियों में, वाईएसआरसीपी: 522.63 करोड़ रुपये, समाजवादी पार्टी: 399.71 करोड़ रुपये, बीजेडी: 105.63 करोड़ रुपये और डीएमके: 11.90 करोड़ रुपये है। बीआरएस के सांसद बांदी पार्था सारथी के पास सबसे अधिक संपत्ति है, जो 5,300 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उनके बाद आम आदमी पार्टी के राजिंदर गुप्ता (5,053 करोड़ रुपये से अधिक) और वाईएसआरसीपी के अल्ला अयोध्या रामि रेड्डी (2,577 करोड़ रुपये से अधिक) हैं। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के सांसद संत बलबीर सिंह सबसे कम संपत्ति वाले हैं, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 3 लाख रुपये है। उनके बाद, मणिपुर के महाराजा सनाजाओबा लैशेम्बा (लगभग 5 लाख रुपये) और तृणमूल कांग्रेस के प्रकाश चिक बराइक (करीब 9 लाख रुपये) हैं।

मुख्यमंत्री ने चेटीचंड पर शुभकामनाएं दीं

- उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

जयपुर, 19 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड (20 मार्च) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वरूण अवतार भगवान झूलेलाल ने त्याग, समर्पण और अहिंसा जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना कर समाज को उन्नति की राह दिखाई।

शर्मा ने प्रदेशवासियों का आ ान किया कि वे भगवान झूलेलाल के आदर्शों एवं शिक्षाओं को जीवन में अपनाएं और प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।